परिशिष्ट -- स : ग्रन्थानुक्रमणिका

आलोचनात्मक ग्रन्थ : :

(१) अज्ञेय और आधुनिक रचना की समस्या : डा० रामस्वरूप चतुर्वेदी : भारतीय ज्ञानपीठ प्रकाशन, वाराणसी, प्र०सं० १९६८ ।

(२) अधूरे साक्षात्कार : डा० नेमिचन्द्र जैन : अक्षर प्रकाशन, दिल्ली : प्र० सं० १९६६ ।

(३) अज्ञेय का कथा-साहित्य : डा० ओम प्रभाकर : नैशनल पब्लिशिंग हाउस : दिल्ली : प्र० सं० १९६६ ।

(४) अच्छी हिन्दी : रामचन्द्र वर्मा : लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद : पन्द्रहवां परिवर्द्धित एवं संशोधित संस्करण १९७० ।

(५) आजका हिन्दी साहित्य : डा० इन्द्रनाथ मदान : राजकमल प्रकाशन, दिल्ली : प्र० सं० १९६६ ।

(६) आधुनिक हिन्दी कथा-साहित्य और मनोविज्ञान : डा० देवराज उपाध्याय : साहित्य भवन प्रा० लि० इलाहाबाद : द्वि० सं० १९६३

(७) आत्मनेपद : अज्ञेय : भारतीय ज्ञानपीठ प्रकाशन : द्वि० सं० १९७१ ।

(८) आस्था और सौन्दर्य : डा० रामविलास शर्मा : किताब महल, इलाहाबाद : प्र० सं० १८८३ शकाब्द ।

(९) आधुनिकबोध और आधुनिककरण : डा० रमेशकुन्तल मेघ ।

(१०) आधुनिक साहित्य : आचार्य नन्ददुलारे वाजपेयी : भारती भण्डार, इलाहाबाद : चतुर्थ संस्करण संवत २०२२ ।

(११) आज का हिन्दी साहित्य - संवेदना और दृष्टि : डा० रामदरश मिश्र : अभिनव प्रकाशन , दिल्ली : प्र० सं० १९७५ ।

(१२) आधुनिक हिन्दी व्याकरण और रचना : डा० वासुदेवनन्दनप्रसाद : भारती भवन, पटना : छठा संस्करण १९६५ ।

(१३) आधुनिकता के सन्दर्भ में आज का हिन्दी उपन्यास : डा० अतुलवीर अरोड़ा : पब्लिकेशन व्यूरो, चंदीगढ़ : प्र० सं० १९७४ ।

(१४) आधुनिक हिन्दी साहित्य : डा० रामगोपालसिंह : विनोद पुस्तक मन्दिर ? आगरा : प्र० सं० १९६५ ।

(१५) आलोचना के सिद्धान्त : डा० शिवदानसिंह चौहान : राजकमल प्रकाशन : सं० १९६० ।

(१६) आधुनिकता और हिन्दी आलोचना : डा० इन्द्रनाथ मदान : राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली । सं० १९७५ ।

(१७) अधतन साहित्य (गुजराती) : भोगीलाल गांधी : बाल गोविन्द कुबेरदास नी कंपनी : अहमदाबाद : प्र० सं० १९६४ ।

(१८) उपन्यासकार अश्क : सं० इन्द्रनाथ मदान : नीलाम प्रकाशन, इलाहाबाद : सं० १९६० ।

(१९) उपन्यासकार प्रेमचन्द : सं० डा० सुरेशचन्द्र गुप्त, रमेशचन्द्र गुप्त : अशोक प्रकाशन, दिल्ली : प्र० सं० १९६६ ।

(२०) उपन्यास का स्वरूप : डा० शशिभूषणसिंहल : कलाश पुस्तक सदन , ग्वालियर प्र० सं० १९७५ ।

(२१) एक बूंद सहसा उछली : अज्ञेय : भारतीय ज्ञानपीठ : प्र० सं० १९६० ।

(२२) कलम का सिपाही : अमृतराय : हंस प्रकाशन, इलाहाबाद : प्र० सं० १९६२ ।

(२३) कलम का मजदूर : मदनगोपाल : राजकमल प्रकाशन : १९६५ ।

(२४) काव्य के रूप : डा० गुलाबराय : आत्माराम एण्ड सन्ज़, दिल्ली ।

(२५) कुछ विचार : प्रेमचन्द : सरस्वती प्रेस बनारस : च० सं० १९४९ ।

(२६) काव्यशास्त्र : डा० भगीरथ मिश्र : विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी : तृ० सं० १९६६ ।

(२७) कथोपकथन (गुजराती) : डा० सुरेश जोशी : आर० आर० सेठ नी कंपनी : अहमदाबाद : प्र० सं० १९६९ ।

(२८) काव्य-मंजूषा : डा० भगीरथ मिश्र : हिन्दी समिति, लखनऊ : १९६९ ।

(२९) कामायनी के अध्ययन की समस्याएं : डा० नगेन्द्र : नैशनल पब्लिशिंग हाउस : ~~प्र० सं० १९५६~~ द्वि० सं० १९६५ ।

(३०) जैनेन्द्र और उनके उपन्यास : रघुनाथसरन कालानी : नैशनल पब्लिशिंग : १९५६

(३१) जोक अने साहित्य (गुज०) : रमणलाल वसंतलाल देसाई :

(३२) जनान्तिके (गुज०) : डा० सुरेश जोशी : स्वाति प्रकाशन, बम्बई : १९६५

(३३) तमारुं बालक ६ थी १२ वर्ष सुधी (योर चाइल्ड फ्रोम सिक्स टु ट्वेल्व का गुजराती अनुवाद) अनुवादक : माया मेहता : वोरा एण्ड कंपनी बम्बई : प्र० सं० १९६७ ।

(३४) दाम्पत्य-रहस्य : डा० हरकिशनदास गांधी : हरिहर पुस्तकालय, सुरत : पंचम् संस्करण १६७० (गुज०) ।

(३५) नये उपन्यास - स्वरूप और तत्व : सं० डा० रामगोपाल शर्मा, प्रतापचन्द्र जैसवाल : समीक्षालोक कार्यालय, आगरा ।

(३६) नया साहित्य - नये प्रश्न : आचार्य नन्ददुलारे वाजपेयी : विद्या मन्दिर, ब्रह्नाल, वाराणसी : तृतीय संस्करण १६६७ ।

(३७) नोबल पुरस्कार विजेता साहित्यकार : ठाकुर राजबहादुर सिंह : राजपाल एण्ड सन्ज़, दिल्ली : द्वितीय संस्करण १६६७ ।

(३८) नवलकथा- कसब और कला (गुज०) : दीपक मेहता : नवभारत साहित्य मन्दिर , बम्बई-अहमदाबाद : प्र० सं० १६७६ ।

(३६) निबन्ध और निबन्ध : डा० विश्वनाथप्रसाद : हिन्दी प्रचारक संस्थान, वाराणसी : प्र० सं० १६७३ ।

(४०) नये प्रतिमान- पुराने निकष : लक्ष्मीकान्त वर्मा : भारतीय ज्ञानपीठ प्रकाशन : प्र० सं० १६६६ ।

(४१) पाश्चात्य नवलकथा (गुज) : हर्षद देसाई, दिगीश मेहता : यूनि० ग्रन्थ निर्माण बोर्ड , अहमदाबाद : प्रथम संस्करण १६७५ ।

(४२) प्राचीन चरित्रकोश : सिद्धेश्वर शास्त्री चित्राव : १६६४ ।

(४३) प्रगतिवाद : एक समीक्षा : डा० धर्मवीर भारती : साहित्यभवन लि० प्रयाग : १६४६ ।

(४४) प्रगतिवाद और हिन्दी उपन्यास : डा० प्रभास शर्मा :

(४५) प्रेमचन्दोत्तर उपन्यास की शिल्पविधि : डा० सत्यपाल चुघ : लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद : प्र० सं० १६६८ ।

(४६) प्रेमचन्द और उनकी उपन्यास कला : डा० रघुवरदयाल वार्ष्णेय : सरस्वती पुस्तक सदन : आगरा : प्र० सं० १६७० ।

(४७) प्रेमचन्द और उनका युग : डा० रामविलास शर्मा : २।६३।७ ५३।२।न : १९६७ ।

(४८) प्रेमचन्द और गोर्की : शचीरानी गुर्टू : राजकमल प्रकाशन : १६५५ ।

(४६) प्रेमचन्द - एक कृती व्यक्तित्व : जैनेन्द्र : पूर्वोदय प्रकाशन : १६६७ ।

(५०) प्रेमचन्द-जीवन,कला और कृतित्व : डा० हंसराज रहबर : १९६२ ।

(५१) प्रेमचन्द (आजके सन्दर्भ में) : गंगाप्रसाद विमल : राजकमल प्रकाशन : १६६८ ।

(५२) पाश्चात्य समीक्षा दर्शन : डा० जगदीशचन्द्र जैन : हिन्दी प्रचारक संस्थान :

वाराणसी : द्वि० सं० १९७३ ।

(५३) पाश्चात्य - काव्यशास्त्र : डा० रामपूजन तिवारी : राधाकृष्ण प्रकाशन : प्र० सं० १९७१ ।

(५४) प्रेमचन्द - साहित्यिक विवेचन : आचार्य नन्ददुलारे वाजपेयी : हिन्दी मक्न, इलाहाबाद : १९५६ ।

(५५) फणीश्वरनाथ रेणु- श्रेष्ठ कहानियां : सं० राजेन्द्र यादव : राजपाल एण्ड सन्ज़ , दिल्ली : द्वि० सं० १९६६ ।

(५६) बृहत् साहित्यिक निबन्ध : डा० शान्तिस्वरूप गुप्त, डा० रामसागर त्रिपाठा अशोक प्रकाशन : दिल्ली : प्र० सं० १९६७ ।

(५७) बदलते परिप्रेक्ष्य : डा० नमिचन्द्र जैन : राजकमल प्रकाशन : प्र०सं० १९६८ ।

(५८) मार्क्सवादी चिन्तन साहित्य चिन्तन -- इतिहास तथा सिद्धान्त : डा० शिव-कुमार मिश्र : हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, भोपाल : १९७५ ।

(५९) मैं इनसे मिला : पद्मसिंह शर्मा 'कमलेश' : आत्माराम एण्ड सन्ज़ , दिल्ली : १९५२ ।

(६०) मेरा हमदम मेरा दोस्त : सं० कमलेश्वर : नैशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली : प्र० सं० १९७५ ।

(६१) महाभारतसार (गुज०) : स्व० विश्वनाथ गोविन्दजी द्विवेदी : सस्तु साहित्य वधक कार्यालय, बम्बई : तृ० सं० १९६८ ।

(६२) यथार्थवाद : डा० शिवकुमार मिश्र : मकमिलन कम्पनी आफ इंडिया : १९७५ ।

(६३) विचार और अनुभूति : डा० नगेन्द्र : नैशनल पब्लिशिंग हाउस : १९६५ ।

(६४) विचार और विवेचन : डा० नगेन्द्र : ,, : १९६४ ।

(६५) विवेक के रंग : सं० डा० देवीशंकर अवस्थी : भारतीय ज्ञानपीठ : १९६५ ।

(६६) वृन्दावनलाल वर्मा -- साहित्य और समीक्षा : सियारामशरण प्रसाद : साहित्य प्रकाशन, दिल्ली : १९६० ।

(६७) सरल मनोविज्ञान : लालजीराम शुक्ल : नन्दकिशोर ब्रदर्स, वाराणसी : १९५६ ।

(६८) साहित्यालोचन : डा० श्यामसुन्दरदास ।

(६९) साहित्यस्वरूपो (गुज०) : डा० कुंजबिहारी मेहता :।

(७०) साहित्य का श्रेय और प्रेय : जनेन्द्रकुमार : पूर्वोदय प्रकाशन : तृ० सं० १९७२ ।

(७१) समीक्षाशास्त्र : डा० दशरथ ओझा : राजपाल एण्ड सन्ज़ : तृ० सं० १९६३ ।

(७२) सिद्धान्त और अध्ययन : डा० गुलाबराय : आत्माराम एण्ड सन्ज़ : छठा सं० १९७० ।

(७३) साहित्यिक निबन्ध : राजनाथ शर्मा : विनोदपुस्तक मन्दिर, आगरा, १९६१ ।

(७४) स्वातन्त्र्योत्तर हिन्दी उपन्यास और ग्राम-चेतना : डा० ज्ञानचन्द गुप्त : अभिनव प्रकाशन, दिल्ली, प्र० सं० १९७४ ।

(७५) साहित्यानुशीलन : डा० शिवदानसिंह चौहान :

(७६) स्वातन्त्र्योत्तर कथा-लेखिकाएं : डा० उर्मिला गुप्ता : राधाकृष्ण प्रकाशन : १९६७ ।

(७७) साहित्य का नया परिप्रेक्ष्य : डा० रघुवंश : भारतीय ज्ञानपीठ प्रकाशन, १९६८ ।

(७८) हिन्दी के आंचलिक उपन्यास और उनकी शिल्पविधि : डा० आदर्श सक्सेना : सूर्य प्रकाशन मन्दिर, बीकानेर : प्र० सं० १९७१ ।

(७९) हिन्दी उपन्यास : डा० सुरेश सिनहा : लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद : प्र० सं० १९६८ ।

(८०) हिन्दी उपन्यास-- उद्भव और विकास : डा० सुरेश सिनहा : अशोक प्रकाशन : प्र० सं० १९६५ ।

(८१) हिन्दी उपन्यास -- समाजशास्त्रीय विवेचन : डा० चण्डीप्रसाद जोशी : अनुसन्धान प्रकाशन, आचार्यनगर, कानपुर : प्र० सं० १९६२ ।

(८२) हिन्दी उपन्यास -- एक सर्वेक्षण : डा० महेन्द्र चतुर्वेदी : नेशनल पब्लिशिंग हाउस : प्र० सं० १९६२ ।

(८३) हिन्दी उपन्यास का प्रारम्भिक विकास : डा० कुमारी शैलबाला : सत्यसदन, बाराबंकी : प्र० सं० १९७३ ।

(८४) हिन्दी उपन्यास -- एक अन्तर्यात्रा : डा० रामदरश मिश्र : राजकमल प्रकाशन : प्र० सं० १९६८ ।

(८५) हिन्दी नवलेखन : डा० रामस्वरूप चतुर्वेदी : भारतीय ज्ञानपीठ प्रकाशन : प्र० सं० १९६० ।

(८६) हिन्दी उपन्यास -- शिल्प और प्रयोग : डा० त्रिभुवनसिंह : हिन्दी प्रचारक संस्थान, वाराणसी : प्र० सं० १९७३ ।

(८७) हिन्दी उपन्यास और यथार्थवाद : डा० त्रिभुवनसिंह : हिन्दी प्रचारक संस्थान, वाराणसी : चतुर्थ संस्करण २०२२ वि० ।

(८८) हिन्दी उपन्यास -- सामाजिक चेतना : डा० कुंवरपालसिंह : पाण्डुलिपि प्रकाशन, दिल्ली नगर, प्र० सं० १९७६ ।

(८९) हिन्दी उपन्यास- पहचान और परख : सं० डा० इन्द्रनाथ मदान : लिपि-प्रकाशन, दिल्ली, १९७५ ।

(९०) हिन्दी लघु उपन्यास : डा० घनश्याम मधुप : राधाकृष्ण प्रकाशन : १९७१ ।

(९१) हिन्दी उपन्यास - सिद्धान्त और विवेचन : सं० महेन्द्र, डा० मक्खनलाल शर्मा : साहित्य भण्डार आगरा, प्र० सं० १९६३ ।

(९२) हिन्दी उपन्यास -- प्रेम और जीवन : डा० शान्ति भारद्वाज ।

(९३) हिन्दी साहित्यकोश, भाग-१ : ज्ञानमण्डल लि०, प्रधान सम्पादक-डा० धीरेन्द्र वर्मा : द्वि० सं० २०२० वि० ।

(९४) हिन्दी साहित्यकोश, भाग-२ : प्र० सं० २०२० वि० ।

(९५) हिन्दी उपन्यासकोश : डा० गोपालराय : ग्रन्थनिकेतन, पटना : प्र० सं० १९६८

(९६) हिन्दी उपन्यासकोश : सूर्यकान्त गुप्त : सूर्य प्रकाशन, दिल्ली, १९७५ ।

(९७) हिन्दी साहित्य : डा० हजारी प्रसाद द्विवेदी :

(९८) हिन्दी उपन्यास : सं० डा० सुषमा प्रियदर्शिनी : राधाकृष्ण मूल्यांकन माला ।

(९९) हिन्दी साहित्य - एक आधुनिक परिदृश्य : अज्ञेय :

(१००) हिन्दी उपन्यास साहित्य का अध्ययन : डा० गणेशन : राजपाल एण्ड सन्ज : सं० १९६७ ।

(१०१) हिन्दी उपन्यास-- उपलब्धियां : डा० लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय : राधाकृष्ण प्रकाशन : १९७३ ।

(१०२) हिन्दी उपन्यास पर पाश्चात्य प्रभाव : डा० भारतभूषण अग्रवाल : प्र० कृष्णचरण जैन एण्ड-सं- एवं संतति, दिल्ली, प्र० सं० १९७१ ।

(१०३) हिन्दी के मनोवैज्ञानिक उपन्यास : डा० धनराज मानधाने : ग्रन्थम, कानपुर : प्र० सं० १९७१ ।

(१०४) हिन्दी के आंचलिक उपन्यास : डा० प्रकाश वाजपेयी : नन्दकिशोर एण्ड ब्रदर्स, प्र० सं० १९६४ ।

(१०५) हिन्दी साहित्य का इतिहास : आचार्य रामचन्द्र शुक्ल : नागरीप्रचारिणी सभा, काशी : २०१८ वि० ।

(१०६) हिन्दी साहित्य - बीसवीं शताब्दी : आचार्य नन्ददुलारे वाजपेयी : लोकभारती प्रकाशन : इलाहाबाद : सं० १९६३ ।

(१०७) हिन्दी साहित्य - एक परिचय : डा० त्रिभुवनसिंह : हिन्दी प्रचारक संस्थान, द्वि० सं० १९७४ ।

oooooooooo ~~~~~~~ oooooooooo

अंग्रेजी ग्रन्थ : :

(१०८) आस्पेक्ट्स आफ् द नावेल : ई० एम० फारस्टर : ए पैनग्विन इन्टर नेशनल एडिशन, रिप्रिन्टिड १९७० ।
(१०९) ए बैग्राउन्ड टु द स्टडी आफ् इंग्लिश लिटरेचर : बिरजादिश प्रसाद : मकमिलन कम्पनी, १९६६ ।
(११०) एन इनट्रडक्शन टु द स्टडी आफ् लिटरेचर : डब्ल्यू० एच० हडसन : सैकन्ड एडिशन १९४२, ज्योर्ज० जी० हैरप, लण्डन ।
(१११) ए मैन्युअल आफ् इंग्लिश लिटरेचर : थौमस आरनोल्ड • लौन्गमैन्स, ग्रीन एण्ड कंपनी १८८८ ।
(११२) ए नोवेलिस्ट औन नावेल्स : ज्योर्ज डबल्यू० एल० : कालिन्स सन्स एण्ड कंपनी लि० लण्डन ।
(११३) ए संस्कृत इंग्लिश डिक्शनेरी • सर मोनियर विलियम्स : आक्सफर्ड इला-सण्डन प्रेस, १९५५ ।
(११४) ए शार्ट हिस्टरी आफ् इंग्लिश लिटरेचर : आईफार इवान्स : द इंग्लिश लेंग्वेज बुक सोसायटी एण्ड पैंग्विन बुक्स : थर्ड एडिशन, १९७० ।
(११५) ए ट्रीटाइज आन द नावेल : राबर्ट लिडेल्ल : जोनाथन केप, लण्डन, १९६५ ।
(११६) एन आउटलाइन हिस्टरी आफ् इंग्लिश लिटरेचर : डबल्यू० एच० हडसन : बी० आई० पब्लिकेशन्स, बौम्बे, १९६३ ।
(११७) बर्गसन एण्ड द स्ट्रीम आफ कोन्शयसनेस नावेल : शिव० कै० कुमार : ब्लैकी एण्ड सन लि० : लण्डन एण्ड ग्लास्गो : १९६२ ।
(११८) कनसाइज आक्सफर्ड डिक्शनेरी : रिप्रिन्टेड फिफ्थ एडिशन, १९७२ : आक्सफर्ड यूनि० प्रेस, अमेन हाउस, लण्डन ।
(११९) एनसायक्लोपीडिया अमेरिकाना, वौल्युम-२० : फर्स्ट पब्लिशड इन १८२९ अमेरिकन कौर्पोरेशन, न्यूयार्क, शिकागो, वाशिंगटन ।
(१२०) एनसायक्लोपीडिया ब्रिटानिका वौल्युम-२१ : एनसायक्लोपीडिया ब्रिटानिका लि० शिकागो, लण्डन, टोरोन्टो ।
(१२१) एनसायक्लोपीडिया आफ जनरल नालेज एण्ड वर्ल्ड अफेयर्स : तुटेजा : १९६६ ।
(१२२) इंग्लिश लिटरेचर- इट्स बैकग्राउन्ड एण्ड डेवलोपमैन्ट : बी० आर० मल्लिक

एस० चांद एण्ड कंपनी, दिल्ली, १९६६ ।

(१२३) फार्म्स आफ् माडर्न फिक्शन : विलियम वान ओ' कोनर : द यूनि० आफ मोनेसोटा प्रेस मनेमिे मिन्नीआपोलिस ।

(१२४) फैक्ट्स एण्ड थियरीज् आफ सायको-एनालिसिस : इवस हेण्डरिक : द'ल्ल पब्लिशिंग कंपनी, न्यूयार्क, १९६६ ।

(१२५) इल्युजन एण्ड रीयालिटी : काडवेल क्रिस्टोफर : पिपल्स पब्लिशिंग हाउस लि० दिल्ली, १९५६ ।

(१२६) के० मार्क्स एण्ड एफ० एन्जल्स : ट्रान्सलेटेड फ्राम जर्मन बाय आर० डिक्शन : फारीन लैंग्वेजिस पब्लिशिंग हाउस, मास्को, १९५६ ।

(१२७) मैमोरिज् एण्ड पोर्ट्रेट्स : स्टीवेन्सन्स ।

(१२८) सायकोलोजी फार लिविंग : हरबर्ट सोरेनसन एण्डमार्गेराइट माल्म ।

(१२९) प्रिंसिपल आफ सायकोलोजी : विलियम जेम्स ।

(१३०) रीडिंग ए नावेल : वाल्टर एलन : फोनिक्स हाउस लि० लण्डन, १९५६ ।

(१३१) रुरल सोसियोलोजी इन इण्डिया : ए० आर० देसाई : पोप्युलर पब्लिशिंग बोम्बे, १९६६ ।

(१३२) रीजन एण्ड एक्सिस्टण्ट : कार्ल जैस्पर्स ।

(१३३) सेक्स डेलिक्वेण्ट विमेन एण्ड धेर रिहेबिलेशन : गारी आर० बेनरजी : टाटा इन्स्टिटीट्युट आफ सोसियल सायन्सीज्, बोम्बे, फर्स्ट एडिशन ।

(१३४) सेमिनार आन क्रीएटिव राइटिंग इन इण्डियन लैंग्वेजीस : १९७२ ।

(१३५) द ट्वेन्टिएथ सेन्चुरी नावेल : जे० डबल्यू० बीच : लायल बुक डेपो : लुधियाना, भोपाल, चंडीगढ़ , १९६५ ।

(१३६) टाम जान्स : हेनरी फिल्डिंग : द मोडर्न लाइब्रेरी न्यूयार्क बुक-२ ।

(१३७) ट्वेन्टिएथ सेन्चुरी लिटरेचर : ए० सी० वार्ड : द इंग्लिश लैंग्वेज् बुक सोसायटी :१९५६ ।

(१३८) द क्राफ्ट आफ फिक्शन : पर्सी ल्युबाक्क : जोनाथन केप, लण्डन, १९३२ ।

(१३९) द आइडिया आफ कामेडी : मेरिडिथ ।

(१४०) द इण्टरप्रिट एक्शन आफ ड्रीम : सिग्मंड फ्रायड ।

(१४१) द मेकिंग आफ लिटरेचर : आर० ए० जेम्स स्काट : सेकर एण्ड वर्बर्ग, लण्डन, १९५६ ।

(१४२) द नोवेल एण्ड द पिपुल : राल्फ फोक्स : फारीन लैंग्वेज् पब्लिशिंग हाउस

हाउस, मॉस्को, १९५६ ।

(१४३) द नॉवेल एण्ड द रीडर : कैथेराइन लीवर ।

(१४४) द सायकोलोजिकल नावेल : लिआन एडेल : रुपर्ट हार्ट डेविस, लण्डन, १९५५ ।

(१४५) द राइज़ आफ द नावेल : इवान वाट्ट : यूनि० आफ केलिफोर्निआ प्रेस : १९५७ ।

(१४६) दस्ट्रक्चर आफ द नावेल : एड्विन म्योर : द होगार्थ प्रेस, लण्डन, १९६३ ।

(१४७) राइटिंग फार यंग पिपल : एम० एल० रोबिनसन ।

(१४८) वेबस्टर्स थर्ड न्यू इण्टरनेशनल डिक्शनरी : वेबस्टर : फोरटिन्थ एडिशन, १९६१ : जी० बेल० एण्ड सन्स लि० स्प्रिंगफिल्ड मास जी० एण्ड सी० मेरियम कम्पनी, लण्डन ।

(१४९) राइटर्स एट वर्क : फर्स्ट सिरीज़ : काउली मालकम : सैकर एण्ड वर्बर्ग, लण्डन, १९५८ ।

(१५०) राइटस एट वर्क : सेकण्ड सिरीज़ : बुक वान विक ?: सैकर एण्ड वर्बर्ग : लण्डन : १९६३ ।

आलोच्य उपन्यास : :

(१५१) अजय की डायरी : डा० देवराज : राजपाल एण्ड सन्स, प्र० सं० १९६० ।

(१५२) अलग अलग वैतरणी : डा० शिवप्रसादसिंह

(१५३) अठारह सूरज के पौधे : रमेश बक्षी : भारतीय ज्ञानपीठ : प्र०सं० १९६५ ।

(१५४) अन्धेरे बन्द कमरे : मोहन राकेश : राजकमल प्रकाशन : तृ० सं० १९७२ ।

(१५५) अन्तराल : मोहन राकेश : राजकमल प्रकाशन : द्वि० सं० १९७३ ।

(१५६) अमृत और विष : अमृतलाल नागर : लोकभारती, इलाहाबाद, १९६६ ।

(१५७) अपने अपने अजनबी : अज्ञेय : भारतीय ज्ञानपीठ : पंचम सं० १९७५ ।

(१५८) अनदेखे अनजान पुल : राजेन्द्र यादव : राजकमल प्रकाशन : प्र०सं० १९६३ ।

(१५९) अनसुलझी गांठें : ओमानन्द सारस्वत : जवाहर पुस्तकालय, मथुरा, १९७२ ।

(१६०) आगामी अतीत : कमलेश्वर : शब्दकार, तुर्कमानगेट : प्र० सं० १९७६ ।

(१६१) आधा गांव : डा० राही मासूम रज़ा : राजकमल प्रकाशन : तृ० सं० १९७५ ।

(१६२) आपका बण्टी : मन्नू भण्डारी : अक्षर प्रकाशन : द्वि० सं० १९७४ ।

(१६३) इमरतिया : नागार्जुन : राजपाल एण्ड सन्स : प्र० सं० १९६८ ।

(१६४) उग्रतारा : ,, : ,, : तृ० सं० १९७० ।

(१६५) एक पेड़ की तेज़ धार : शमशेर सिंह नरूला : राजकमल प्रकाशन, प्र०सं० १९६५ ।

(१६६) एक चूहे की मौत : बदी उज्ज़मां : शब्दकार, तुर्कमानगेट : प्र०सं० १९७१ ।

(१६७) एक कहानी अन्तहीन : हृदयेश : राधाकृष्ण प्रकाशन : १९७२ ।

(१६८) एक टूटा हुआ आदमी : जवाहरसिंह : हिन्दी प्रचारक पुस्तकालय, १९६७ ।

(१६९) एक कटी हुई ज़िन्दगी- एक कटा हुआ कागज : लक्ष्मीकान्त वर्मा : नैशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली : प्र० सं० १९६५ ।

(१७०) कड़ियां : भीष्म साहनी : राजकमल प्रकाशन : १९७० ।

(१७१) कृष्णकली : शिवानी : भारतीय ज्ञानपीठ प्रकाशन : तृ० सं० १९७४ ।

(१७२) कभी न छोड़ें खेत : जगदीशचन्द्र : १९७६ ।

(१७३) कथा-सूर्य की नयी यात्रा : हिमांशु श्रीवास्तव : हिन्दी प्रचारक पुस्तकालय : प्र० सं० १९६४ ।

(१७४) कांचघर : रामकुमार भ्रमर : राजपाल एण्ड सन्स : प्र०सं० १९७१ ।

(१७५) काला जल : शानी : विद्या प्रकाशन, दिल्ली : १९७४ ।

(१७६) किस्सा नर्मदाबेन गंगूबाई : शैलेश मटियानी : आत्माराम एण्ड सन्स ।

(१७७) किले का घेरा : ओंकार शरद : साहित्य भवन, इलाहाबाद : प्र०सं० १९७५ ।

(१७८) ग्यारह सपनों का देश : सह लेखन- लेखन : भारतीय ज्ञानपीठ : १९६६ ।

(१७९) गिरती दीवारें : उपेन्द्रनाथ अश्क : नीलाभ प्रकाशन : १९४७ ।

(१८०) गोदान : प्रेमचन्द : सरस्वती प्रेस, इलाहाबाद : सं० १९६६ ।

(१८१) गुनाहों का देवता : डा० धर्मवीर भारती : भारतीय ज्ञानपीठ : चौदहवां सं० १९७६ ।

(१८२) चारु-चन्द्रलेख : डा० हजारीप्रसाद द्विवेदी : राजकमल प्रकाशन : १९७३ ।

(१८३) चित्रलेखा : भगवतीचरण वर्मा

(१८४) छाया मत छूना मन : हिमांशु जोशी : भारतीय ज्ञानपीठ : प्र०सं० १९७४ ।

(१८५) जल टूटता हुआ : डा० रामदरश मिश्र : हिन्दी प्रचारक संस्थान, प्र०सं० १९६९ ।

(१८६) जुलूस : फणीश्वरनाथ रेणु: भारतीय ज्ञानपीठ : तृ० सं० १९७५ ।

(१८७) झूठा सच : यशपाल : विप्लव प्रकाशन : तृ० सं० १९६७ ।

(१८८) टेराकोटा : लक्ष्मीकान्त वर्मा : भारतीय ज्ञानपीठ : प्र०सं० १९७१ ।

(१८९) डाक बंगला : कमलेश्वर : पाल एण्ड सन्स : द्वि० सं० १९७६ ।

(१९०) तारा : किशोरीलाल गोस्वामी : १९०२ ।

(१९१) तीसरा आदमी : कमलेश्वर : राजपाल एण्ड सन्स : प्र०सं० १९७६ ।

(१९२) तमस : भीष्म साहनी : राजकमल प्रकाशन :

(१९३) देशद्रोही : यशपाल : विप्लव प्रकाशन : १९४३ ।

(१९४) दैवेश - एक जोकरी : सत्यपाल विद्यालंकार : भारतीय ज्ञानपीठ : १९७४ ।

(१९५) दराजों में बन्द दस्तावेज़ : से०रा० यात्री : रचना प्रकाशन, इलाहाबाद, १९६९

(१९६) दिल एक सादा कागज : डा० राही मासूम रज़ा : राजकमल प्रकाशन :
प्र० सं० १९७३ ।

(१९७) दूरियां : रजनी पनीकर :

(१९८) दूसरी तरफ़ : महेन्द्र भल्ला : राजकमल प्रकाशन : प्र०सं० १९७६ ।

(१९९) धरती धन न अपना : जगदीशचन्द्र : राजकमल प्रकाशन : १९७२ । - १९७५ ।

(२००) नदी के द्वीप : अज्ञेय : सरस्वती प्रेस, वाराणसी : तृ० सं० १९६० ।

(२०१) न आनेवाला कल : मोहन राकेश : राजपाल एण्ड सन्स : तृ० सं० १९७४ ।

(२०२) नदी फिर बह चली : हिमांशु श्रीवास्तव : हिन्दी प्रचारक संस्थान: १९७६ ।

(२०३) नव वर्ष : नरेन्द्रनाथ : राधाकृष्ण प्रकाशन : १९७५ ।

(२०४) परख : जैनेन्द्र : पूर्वोदय प्रकाशन : १९७५ ।

(२०५) परीक्षागुरु : लाला श्रीनिवासदास :

(२०६) प्रेम अपवित्र नदी : लक्ष्मीनारायण लाल : राजपाल एण्ड सन्स : १९७५ ।

(२०७) पच पन खम्भे लाल दीवारें : उषा प्रियंवदा : राजकमल प्रकाशन : तृ०सं०१९७६

(२०८) पानी के प्राचीर : डा० रामदरश मिश्र : हिन्दी प्रचारक संस्थान : १९७६ ।

(२०९) पुनर्नवा: डा० हजारीप्रसाद द्विवेदी : राजकमल प्रकाशन : १९७३ ।

(२१०) प्रश्न और मरीचिका : भगवतीचरण वर्मा : राजकमल प्रकाशन: १९७३ ।

(२११) प्रेत : श्रवणकुमार : राजपाल एण्ड सन्स : प्र०सं० १९७३ ।

(२१२) बाणभट्ट की आत्मकथा : डा० हजारी प्रसाद द्विवेदी :

(२१३) बैसाखियोंवाली इमारत : रमेश बक्षी : अक्षर प्रकाशन : प्र०सं० १९६६ ।

(२१४) बहती गंगा : शिवप्रसाद मिश्र 'रुद्र' : राधाकृष्ण प्रकाशन : १९७० ।

(२१५) बारह घण्टे : यशपाल : विप्लव प्रकाशन : प्र०सं० १९६३ ।

(२१६) बलचनमा : नागार्जुन : किताब महल, इलाहाबाद : द्वि० सं० १९५६ ।

(२१७) भीतर का घाव : डा० देवराज : राजपाल एण्ड सन्स : द्वि०सं० १९७१ ।

(२१८) मन वृन्दावन : लक्ष्मीनारायण लाल : नैशनल पब्लिशिंग हाउस : १९६६ ।

(२१९) मछली मरी हुई : राजकमल चौधरी : राजकमल प्रकाशन: द्वि० सं० १९७५ ।
(२२०) मित्रो मरजानी : कृष्णा सोबती : राजकमल प्रकाशन: द्वि० सं० १९७६ ।
(२२१) महानगर की मीता : रजनी पनीकर : सेतु प्रकाशन: प्र०सं० १९६९ ।
(२२२) मेरी तेरी उसकी बात : यशपाल: विप्लव प्रकाशन: १९७६ ।
(२२३) मुक्तिबोध : जैनेन्द्र : पूर्वोदय प्रकाशन: सं० १९७४ ।
(२२४) मुरदाघर : जगदम्बाप्रसाद दीक्षित : राधाकृष्ण प्रकाशन: सं० १९७४ ।
(२२५) मेरा मन कनकन दिया-सा : शान्ति जोशी : राधाकृष्ण प्रकाशन,सं० १९६६ ।
(२२६) मैला आंचल : फणीश्वरनाथ रेणु : राजकमल प्रकाशन: छठा सं० १९६९ ।
(२२७) यह पथ बन्धु था : नरेश मेहता : हिन्दी ग्रन्थ रत्नाकर : बम्बई, १९६२ ।
(२२८) यात्राएं : गिरिराज किशोर : राजकमल प्रकाशन: प्र० सं० १९७१ ।
(२२९) ये गलियां ये रास्ते : द्विजेन्द्रनाथ मिश्र 'निर्गुण' : राजपाल एण्ड सन्स : प्र० सं० १९७३ ।
(२३०) रतिनाथ की चाची : नागार्जुन : किताब महल, इलाहाबाद : द्वि०सं० १९५३ ।
(२३१) रुकोगी नहीं,... राधिका ? : उषा प्रियंवदा : अक्षर प्रकाशन : तृ० सं० १९७४ ।
(२३२) राग दरबारी : श्रीलाल शुक्ल : राजकमल प्रकाशन : तृ०सं० १९७३ ।
(२३३) रेखा : भगवतीचरण वर्मा : राजकमल प्रकाशन : प्र०सं० १९७५ ।
(२३४) लौटती लहरों की बांसुरी : डा० भारतभूषण अग्रवाल: राजपाल एण्ड सन्स ।
(२३५) लोकऋण : विवेकीराय : विश्वविद्यालय प्रकाशन,वाराणसी : प्र०सं० १९७७ ।
(२३६) लाल टीन की छत : निर्मल वर्मा : राजकमल प्रकाशन : प्र०सं० १९७४ ।
(२३७) वरदान : प्रेमचन्द : हंस प्रकाशन, इलाहाबाद : नवीन सं० १९६५ ।
(२३८) सफेद मेमने : मणि मधुकर : राधाकृष्ण प्रकाशन : १९७१ ।
(२३९) सबहिं नचावत राम गुंसाईं : भगवतीचरण वर्मा : राजकमल पेपरबैक्स० १९७५ ।
(२४०) सागर लहरें और मनुष्य : उदयशंकर भट्ट : आत्माराम एण्ड सन्स : तृ०सं० १९७३ ।
(२४१) सांप और सीढ़ी : शानी : राजकमल प्रकाशन: प्र०सं० १९७१ ।
(२४२) सीधा सादा रास्ता : रांगेय राघव :इलाहाबाद : १९५१ ।
(२४३) सोना और खून : आचार्य चतुरसेन शास्त्री : इलाहाबाद : १९६० ।
(२४४) सेवासदन : प्रेमचन्द : सरस्वती प्रेस : इलाहाबाद : वाराणसी : सं० १९७१ ।
(२४५) सूरज का सातवां घोड़ा : डा० धर्मवीर भारती : भारतीय ज्ञानपीठ : पंचम सं० १९६१ ।
(२४६) सूरजमुखी अंधेरके : कृष्णा सोबती : राजकमल प्रकाशन: द्वि० सं० १९७४ ।

(२४७) सूखता हुआ तालाब : डा० रामदरश मिश्र : नैशनल पब्लिशिंग हाउस : प्र० सं० १९७२ ।

(२४८) सुहाग के नूपुर : अमृतलाल नागर : राजकमल प्रकाशन : प०सं० १९७३ ।

(२४९) सीमाएं टूटती हैं : श्रीलाल शुक्ल : राजकमल प्रकाशन : प्र०सं० १९७३ ।

(२५०) शेखर एक जीवनी : अज्ञेय : सरस्वती प्रेस : सप्तम सं० १९६१ ।

(२५१) शेखर: एक जीवनी : अज्ञेय : ,, : वर्तमान सं० १९६६ ।

(२५२) शहीद और शाहदे : मन्मथनाथ गुप्त : राजपाल एण्ड सन्स : प्र० सं० १९७० ।

इतर :

(२५३) अविराम चल मधुवन्ती : वीरेन्द्र मिश्र : भारतीय ज्ञानपीठ प्रकाशन : प्र०सं० १९६७ ।

(२५४) क्या भूलूं क्या याद करूं : हरिवंशराय बच्चन : तृ. सं. १९७० ।

(२५५) हिन्दी और गुजराती के ऐतिहासिक उपन्यासों का तुलनात्मक अध्ययन : (अप्रकाशित शोध प्रबन्ध) डा० भारद्वाज ।

: परिशिष्ट -- र : पत्र-पत्रिकाएं :

(१) आधार (त्रैमासिक) : सातवां दशक मूल्यांकन विशेषांक, १९७०-७१ : ५९८, शान्तिनगर, चैम्बूर, बम्बई-७१ ।

(२) आलोचना (त्रैमासिक) : क्रमांक-३५-३६, १९६६ ; क्रमांक-३३, १९६५ ; क्रमांक-२ १९६७ ; क्रमांक-२०, २२ - १९७२ ; क्रमांक-२५, १९७३ ; क्रमांक-२९, १९७४ ; क्रमांक-३६, १९७६ : राजकमल प्रकाशन- दिल्ली, पटना ।

(३) कल्पना (मासिक) : मार्च-१९७२ ; जून-१९५२ : हैदराबाद ।

(४) जनयुग-फरवरी १९६६ ।

(५) तटस्थ : फरवरी -१९७१ (त्रैमासिक) : पिलानी (राजस्थान) ।

(६) धर्मयुग (साप्ताहिक) : २ दिसम्बर, १९७५ ; फरवरी -१९७६ ; १ मई १९७७ : टाईम्स आफ इण्डिया प्रकाशन ; बम्बई ।

(७) नयी धारा : दिस्म्बर-जनवरी, १९७३ ।

(८) नया प्रतीक : अक्तूबर-१९७६ : नैशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली ।

(९) पूर्णिमा : अप्रैल-१९६० ।

(१०) परिशोध : क्रमांक-१७, १९७२ ; क्रमांक-१९, १९७३ ; क्रमांक-२०, १९७४ : पंजाब यूनि० चण्डीगढ़ ।

(११) प्रकर : अंक-३,४,५-६,७,११ -- १९७२ ; अंक-४ , १९७३ ; भारतीय साहित्य २७ २५ वर्ष विशेषांक, मई-जून, १९७३ । दिल्ली ।

(१२) वीणा : ग्राम-संस्कृति अंक-१९७१ ; अंक-६, १९७५ ; अंक-२,३, १९७६ ; अंक-६-१०-११-१२, १९७६ ; अंक-४-५, १९७७ । इन्दौर ।

(१३) सम्भावना (अर्द्धवार्षिकी) : अंक-१, १९७२ ; अंक-२, १९७३ : कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र ।

(१४) संचेतना (त्रमासिक) : समकालीन उपन्यास अंक, १९७१ : शिवाजी पार्क, नयी दिल्ली ।

(१५) साहित्य-सन्देश : मार्च-१९६० : आगरा ।

(१६) सम्मेलन-पत्रिका : साहित्य-संस्कृति-भाषा विशेषांक : चत्र-मार्गशीर्ष शक-१८९४ : हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग ।

(१७) क्षितिज : नवलकथा विशेषांक : बड़ौदा ।

(१८) ज्ञानोदय : जुलाई-१९६३ : भारतीय ज्ञानपीठ, काशी ।

परिशिष्ट --ग : पिछले एक शतक के उपन्यासों की सूची

पं० श्रद्धाराम फुल्लौरी -भाग्यवती - १८७७

लालाश्रीनिवासदास-परीक्षागुरु-१८८२

बालकृष्ण भट्ट-नूतन ब्रह्मचारी-१८८६

,, -सौअजान एक सुजान-१८९२

,, - रहस्यकथा (अपूर्ण)

राधाकृष्णदास-निस्सहाय हिन्दू-१८९०

मेहता लज्जाराम शर्मा-धूर्त रसिकलाल- १८८९

,, -स्वतन्त्र रमा परतन्त्र लक्ष्मी-१८९९

,, -आदर्श दम्पति- १९०४

,,- बिगड़े का सुधार-१९०७

,, -आदर्श हिन्दू-१९१४

अयोध्यासिंह उपाध्याय-ठेठ हिन्दीका ठाठ-१८९९

,, -अधखिला फूल-१९०७

मन्नन द्विवेदी-रामलाल-१९२७

मन्नन द्विवेदी-कल्याणी-१९२०

बाबू ब्रजनन्दनसहाय-सौन्दर्योपासक- १९१२

,, - राधाकान्त-१९१८

,, -लाल चीन- १९१६

लुमन्तसिंह रघुवंशी-चन्द्रकला-१८९३

जगन्नाथप्रसाद चतुर्वेदी-संसारचक्र-१८९९

किशोरीलाल गोस्वामी-त्रिवेणी- १८९०

,, -प्रणयिनी परिणय-१८८०

,, -स्वर्गीय कुसुम-१८८९

,,-लीलावती-१९०१

,, प्रेममयी - १९०१

,,-राजकुमारी-१९०२

,,-तारा-१९०२

, ,-चपला-१९०३-४

,, -कनक कुसुम-१९०३

किशोरीलाल गोस्वामी-रजिया बेगम-१९०४

,,- आदर्श रमणी-१९०४

,,-लवंगलता-१९०४

,, -मल्लिकादेवी-१९०५

,,-चन्द्रावती-१९०५

,,-तिलस्मी शीशमहल-१९०५

,,-तरुण तपस्विनी-१९०६

,, - इन्दुमती-१९०६

,,- जिन्दे की लाश-१९०६

,,- सौतिया डाह-१९०७

,,- मदनमोहिनी-१९०९-१०

,,- सोना और सुगन्ध-१९०९-११

,, -गुलबहार का आदर्श मातृस्नेह-१९१६

,, - शाही महलसरा- १९१७

,,- अंगुठी का नगीना-१९१८

देवीप्रसाद शर्मा-सुन्दर सरोजनी-१८९३

बालमुकुन्द वर्मा-मालती-१९०४

कमलाप्रसाद-कुल कलंकिनी- १९०५

लोचनप्रसाद पांडेय-दो मित्र-१९०६

रामजीदास वैध- सती- १९०७

ईश्वरीप्रसाद शर्मा- हिरण्यमयी-१९०८

,, - स्वर्णमयी-१९१०

कृष्णलाल वर्मा- चम्पा- १९१६

श्यामकिशोर वर्मा- काशी यात्रा-१९१६

गंगाप्रसाद गुप्त- नूरजहां-१९०३

,,- कुमार सिंहसेनापति-१९०३

,,- हम्मीर-१९०३

जयरामदास गुप्त- काश्मीर पतन-१९०७

,,- रंग में भंग-१९०७

,,- लंगडा खूनी- १९०७

जयरामदास गुप्त-वाजिदअली शाह-१९०९

,,- मल्का चांद बीबी-१९०९

मथुराप्रसाद शर्मा- नूरजहां- १९०५

बलदेवप्रसाद मिश्र-अनारकली-१९००

,, - पृथ्वीराज चौहान-१९०२

,,- पानीपत- १९०२

मिश्रबन्धु- वीरमणि-१९१७

देवकीनन्दन खत्री - चन्द्रकान्ता-१८८८से और चन्द्रकान्ता संतति १८९६

,, - नरेन्द्रमोहिनी-१८९३

,,- वीरेन्द्रवीर-१८९५

,,- कुसुमकुमारी- १८९९

,,- काजर की कोठरी-१९०२

,, - गुप्त गोदना- १९०६

,,- भूतनाथ (प्रथम ६ भाग)-१९०६

हरेकृष्ण जौहर- कुसुमलता-१८९९

,, - भयानक भ्रम-१९००

,, - मयकमोहिनी-१९००

,,- नारी पिशाच- १९०१

,, - जादूगर- १९०१

,, - कमलकुमारी- १९०२

,, - निराला नकाब पोश-१९०२

,, - भयानक खून- १९०३

दुर्गाप्रसाद खत्री- भूतनाथ के शेष भाग

,, - रोहतास मठ

गोपालराम गहमरी-अद्भुत लाश-१८९६

,,- सरकती लाश- १९००

,,- जमुना का खून- १९००

,, - डबल जासूस-१९००

,,- जासूस की भूल-१९०१

,, - जासूस की चोरी-१९०२

गोपालराम गहमरी- जासूस चक्कर में - १९०२
,,- लाइन पर लाश- १९१०
,,- गुप्त भेद -१९१३
,,- जासूस की ऐयारी- १९१४
रामलाल वर्मा- पुतली का महल-१९०८
रामप्रसाद लाल-हम्माम का मुर्दा-१९०३
प्रेमविलास वर्मा-अनन्तकान्ता--१९१५
बांकेलाल चतुर्वेदी- खौफनाक खून-१९१२
प्रेमचन्द- सेवासदन- १९१८
,, - वरदान- १९२०
,, - प्रेमाश्रम- १९२०
,, - रंगभूमि-१९२५
,, - कायाकल्प- १९२६
,,- निर्मला- १९२६
,, - प्रतिज्ञा - १९२६
,, - गबन - १९३०
,, - कर्मभूमि - १९३२
,, - गोदान - १९३६
,, - मंगलसूत्र (अपूर्ण) -१९३६
पाण्डेय बेचैन शर्मा 'उग्र' - घण्टा- १९१६
,, - चन्द हसीनों के खतूत-१९२३
,, - दिल्ली का दलाल- १९२७
,, - बुधुआ की बेटी - १९२८
,, - शराबी - १९३०
,, - सरकार तुम्हारी आंखों में-१९३७
,, - जीजीजी - १९४३
,, - कढ़ी में कोयला- १९५५
,, - फागुन के दिन चार-१९६०
चतुरसेन शास्त्री -हृदय की परख -१९१८
,, - खवास का व्याह- १९२७
,, - व्यभिचार- १९२८
चतुरसेन शास्त्री - हृदय की प्यास- १९३२
,, - अमर अभिलाषा- १९३२
,, - आत्मदाह- १९३७
,, - नीलमणि- १९४०
,, - नरमेघ - १९५०
,, - अपराजिता- १९५२
,, - धर्मपुत्र- १९५४
,, - गोली- १९५६
,, - बगुला के पंख - १९५६
,, - पत्थरयुग के दो बुत- १९५६
,, - खग्रास - १९६०
,, - आभा- १९६०
,, -वैशाली की नगरवधू-१९४८
,, - सोमनाथ- १९५४
,, - आलमगीर- १९५४
,, - वयं रक्षामः - १९५५
,, - अमरसिंह - १९६०
,, - सोना और खून- १९६०
,, - सह्याद्रि की चट्टानें-१९६०
,, - दादा- १९६१
,, - धर्मराज- १९६१
,, - मोती - १९६१
,, - शुभदा- १९६२
भगवतीप्रसाद वाजपेयी -प्रेमपथ-१९२६
,, - मीठी चुटकी - १९२७
,, - अनाथ पत्नी- १९२८
,, - त्यागमयी- १९३२
,, - लालिमा- १९३४
,, - प्रेमनिर्वाह- १९३४
,, - पतिता की साधना- १९३६
,, - पिपासा- १९३७

भगवतीप्रसाद वाजपेयी - दो बहनें - १९५०

,, - चलते चलते - १९५१

,, - पतवार - १९५२

,, - मनुष्य और देवता - १९५४

,, - धरती की सांस - १९५५

,, - भूदान - १९५५

? , - एक प्रश्न - १९५६

,, - विश्वास का बल - १९५६

,, - उनसे न कहना - १९५७

,, - दरार और धुआं - १९६०

,, - सपना बिक गया - १९६१

,, - टूटा टी सेट - १९६२

,, - टूटते बन्धन - १९६३

ऋषभचरण जैन - मास्टर साहिब - १९२७

,, - दिल्ली का व्यभिचार - १९२८

,, - दिल्ली का कलंक - १९२८

,, - वेश्यापुत्र - १९२९

,, - माई - १९३०

,, - गदर - १९३०

,, - सत्याग्रह - १९३०

,, - बुर्केवाली - १९३०

,, - चांदनी रात - १९३१

,, - रहस्यमयी - १९३१

,, - भाग्य - १९३१

,, - मधुकरी - १९३३

,, - पैसे का साथी - १९३४

,, - दुराचार के अड्डे - १९३६

,, - तपोभूमि - १९३६

,, - मंदिर के दीप - १९३६

,, - चम्पाकली - १९३७

,, - हिज हाइनेस - १९३७

ऋषभचरण जैन - बुर्दाफरोश - १९३८

,, - हर हाइनेस - १९३८

,, - मयखाना - १९३८

,, - तीन इक्के - १९३९

विश्वम्भरनाथ शर्मा 'कौशिक' - भिखारिणी - १९२९

,, - मां - १९२९

,, - संघर्ष - १९४५

जयशंकर प्रसाद - कंकाल - १९२९

,, - तितली - १९३४

,, - इरावती (अपूर्ण) - १९३७

प्रतापनारायण श्रीवास्तव - विदा - १९२७

,, - विजय - १९३७

,, - विकास - १९३८

बयालिस - १९४८

,, - विसर्जन - १९५०

,, - विषमुखी - १९५७

,, - वेदना - १९६०

,, - विश्वास की वेदी पर - १९६०

,, - बेकसी का मजार - १९५६

,, - विनाश के बादल - १९६३

राधिकारमण प्रसादसिंह - तरंग - १९२१

,, - राम-रहीम - १९३७

,, - गांधी टोपी - १९३८

,, - पुरुष और नारी - १९४०

,, - टूटा तारा - १९४१

,, - देव और दानव - १९४५

,, - नारी एक पहेली - १९४९

,, - सूरदास - १९५०

,, - पूरब और पश्चिम - १९५१

,, - चुम्बन और चांटा - १९५६

मंच-राजेश्वर प्रसाद- मंच -१९२८
घनीराम प्रेम- वैश्या का हृदय -१९३२
सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला- अप्सरा-१९३१
,, - अलका - १९३३
,, - निरूपमा - १९३६
,, - प्रभावती - १९४५
,, - चोटी की पकड़ - १९४६
,, - काले कारनामे - १९५०
,, - बिल्लेसुर बकरिहा - १९५१
,, - कुल्ली भाट - १९५१
अनाथसिंह - दामा- १९२५
प्रफुल्लचन्द्र ओझा -तलाक-१९३२
शिवरानी देवी-नारी हृदय-१९३२
उषा देवी मित्रा- वचन का मोल-१९३६
,, - अपने पिया- १९३७
,, - जीवन की मुस्कान-१९३९
,, - पथचारी - १९४०
,, - आवाज़- १९४६
,, - सोहिनी - १९४९
तेजरानी दीक्षित - हृदय का कांटा -
चन्द्रशेखर शास्त्री - विधवा के पत्र-१९३३
गंगाप्रसाद श्रीवास्तव-गंगाजमुनी -१९२७
गोविन्दवल्लभ पन्त - प्रतिमा-१९३४
,, - मदारी - १९३५
,, - जूनिया- १९३८
,, - यामिनी -१९५३
,, - नौजवान- १९५४
,, - जलसमाधि- १९५५
,, - मैत्रेय - १९५९
,, - फारगेट मी नाट-१९६०
गोविन्दवल्लभ पन्त - कागज की नाव-१९६०
सियारामशरण गुप्त- गोद -१९३३
,, - अन्तिम आकांक्षा- १९३४
,, - नारी - १९३७
वृन्दावनलाल वर्मा- गढ़ कुण्डार-१९२७
,, - लगन- १९२७
,, - संगम-१९२७
,, - कुण्डलीचक्र - १९२८
,, - प्रेम की भेंट- १९२८
,, -प्रत्यागत- १९२८
,, - विराटा की पद्मिनी-१९३०
,, - कभी न कभी -१९४५
,, - झांसी की रानी -१९४६
,, कचनार- १९४७
,, - अचल मेरा कोई -१९४८
,, - मृगनयनी - १९५०
,, - सोना-१९५१
,, - अमरबेल - १९५३
,, - टूटे कांटे - १९५४
,, - अहिल्याबाई - १९५५
,, - माधवजी सिंधिया-१९५६
,, - भुवनविक्रम-१९५७
,, - आहत- १९६०
,, - उदयकिरण -१९६०
,, - रायगढ़ की रानी -१९६१
,, - रानी दुर्गावती -१९६४
इलाचन्द्र जोशी -घृणामयी-१९२९
,, - सन्यासी -१९४१
,, - पर्दे की रानी -१९४१
,, - निर्वासित -१९४६
,, - प्रेत और छाया- १९४६

इलाचन्द्र जोशी - मुक्तिपथ-१९५०
,, - सुबह के भूले - १९५२
,, - जिप्सी - १९५२
,, - जहाज का पंछी -१९५६
,,- ऋतु चक्र -१९६९
,, - सत्य का भोग - १९६७
अज्ञेय - शेखर एक जीवनी-१ -१९४१
,, - शेखर एक जीवनी -२-१९४४
,, - नदी के द्वीप - १९५१
,, - अपने अपने अजनबी - १९६१
सहलेखन- बारह खंभा-१९५१-५२
डा० देवराज - पथ की खोज-१९५१
,, - बाहर-भीतर - १९५४
,, - रोड़े और पत्थर-१९५८
,, - अजय की डायरी-१९६०
,, - भीतर का घाव -
,, - मैं वे आँखें आप -१९६९
,,- दोहरी आग की लपट-१९७३
भगवतीचरण वर्मा - पतन-१९२८
,, - चित्रलेखा - १९३४
,, -टेढ़े मेढ़े रास्ते-१९४६
,, - आखिरी दाव - १९५०
,, - अपने अपने खिलौने -१९५७
,, - भूले बिसरे चित्र-१९५९
,, - वह फिर नहीं आई - १९६०
,, - सामर्थ्य और सीमा-१९६२
,, - रेखा- १९६४
,, - थके पाँव - १९६४
,, - सीधी सच्ची बातें - १९६७
,, - सबहिं नचावत राम गोसाईं-१९७०
,, - प्रश्न और मरीचिका-१९७३

अमृतलाल नागर - महाकाल-१९४७
,, - सेठ बाँकेमल- १९५५
,, - बूंद और समुद्र - १९५६
,,- ये कोठेवालियां - १९६०
,, - सुहाग के नूपुर-१९६०
,, - शतरंज के मोहरे - १९५९
,, -सात घूंघटवाला मुखड़ा -
,, - अमृत और विष - १९६६
,, - मानस का हंस - १९७३
उपेन्द्रनाथ 'अश्क' : सितारों के खेल - १९३६
,, - गिरती दीवारें -१९४७
,, - गर्म राख - १९५२
,,- बड़ी बड़ी आँखें -१९५५
,, - पत्थर अल पत्थर -१९५७
,,- बा- शहर में घूमता आईना- १९६३
,, - बांधो न नाव इस ठांव -१९६४
,,- एक नन्हीं किन्दील -
,,- एक रात का नरक- १९६८
उदयशंकर भट्ट - वह जो मैंने देखा- १९४५
,, - नये मोड़ - १९५३
,, - सागर लहरें और मनुष्य : १९५५
,, - लोक-परलोक-१९५८
,, - एक नीड दो पंछी -१९५९
,, - शेष-अशेष - १९६०
,,- डा० शैफाली - १९६०
,, - दो अध्याय-१९६३
द्वारिकाप्रसाद एम० ए० - घेरे के बाहर- १९४७
विष्णु प्रभाकर- निशिकान्त-१९५५
,, - तट के बन्धन - १९५५
,, दर्पण का व्यक्ति-१९६८
हिमांशु श्रीवास्तव - लोहे के पंख- १९५८
,, - नदी फिर बह चली-१९६१

हिमांशु श्रीवास्तव सिकंदर-१९६४
सिकंदर- कथा सूर्य की नयी यात्रा-१९६४
,, - धर्मचेता- १९६४
यशपाल- दादा कामरेड-१९४१
,, - देशद्रोही - १९४३
,, - पार्टी कामरेड -१९४६
,, -मनुष्य के रूप -१९४९
,, - झूठा सच - १९५८-६०
,, - दिव्या-१९४५
,, - अमिता- १९५६
,, - बारह घण्टे - १९६४
,, - क्यों फंसे - १९६८
,, - मेरी तेरी उसकी बात -१९७५
नागार्जुन - रतिनाथ की चाची -१९४९
,, - बलचनमा-१९५२
,, -नयी पौध - १९५३
,, - बाबा बटेसरनाथ -१९५४
,, - दुखमोचन- १९५७
,, - वरुण के बेटे - १९५७
,, - कुंभी पाक - १९६०
,, - हीरक जयंती - १९६१
,, - उग्रतारा - १९६३
,, - इमरतिया- १९६८
रांगेय राघव - घरौंदे-१९४१
,, - विषादमठ-१९४६
,, - मुर्दों का टीला-१९४८
,, - हुजूर- १९५२
,, - सोधा सादा रास्ता-१९५५
,, - कब तक पुकारूं -१९५७
,, - बन्दूक और बीन -१९५८
,, - दायरे-१९६१
,, - प्रोफेसर- १९६२
रांगेय राघव - आखिरी आवाज़-१९६३
,, - महायात्रा- १९६४
भैरवप्रसाद गुप्त- मशाल- १९५१
,, - गंगा मैया- १९५३
,, - सतीमैया का चौरा-१९५९
,, - हवेली -१९६४
,, - बांदी -१९७१
अमृतराय - बीज - १९५३
,, - हाथी के दांत-१९५६
,, - नागफनी के का देश -
डा० धर्मवीर भारती -गुनाहों का देवता-१९४६
,, - सूरज का सातवां घोड़ा-१९५२
डा० लक्ष्मीनारायणलाल - धरती की आखें-१९५१
,, - बया का घोंसला और सांप-१९५३
,, - काले फूल का पौधा-१९५५
,, -रूपाजीवा-१९५९
,, - मन वृन्दावन-१९६६
,, - प्रेम अपवित्र नदी -१९७५
,, - बसंत की प्रतीक्षा में-१९७५
,, - श्रृंगार- १९७५
राजेन्द्रयादव -प्रेत बोलते हैं -१९५२
,, - उखड़े हुए लोग-१९५६
,, - कुलटा- १९५८
,, - शह और मात - १९५९
,, - सारा आकाश - १९६०
,, - अनदेखे अनजान पुल-१९६३
,, - मन्त्रविद्ध -
केशवचन्द्र वर्मा - काठ का उल्लू और कबूतर-१९५५
उदयराजसिंह- भूदानी सोनिया-१९५७
,, -भागते किनारे- १९६२
,, - अन्धेरे के विरुद्ध - १९७०

दयानाथ भा - जमींदार का बेटा-१९५६

रामेश्वर शुक्ल 'अंचल' - चढ़ती धूप-१९४५

,, -उलका-१९४७

,, - नयी इमारत-१९४७

लक्ष्मीकान्त वर्मा - खाली कुरसी की आत्मा-१९५८

,, - एक कटी हुई जिन्दगी, एक कटा हुआ कागज -१९६५

,, - टेराकोटा- १९७१

,, -कोयला और आकृतियां -१९७१

,, - तीसरा प्रसंग - १९७२

,, - सफेद चेहरे - १९७२

फणीश्वरनाथ रेणु - मैला आंचल-१९५४

,, - परती : परिकथा- १९५७

,, - दीर्घतपा- १९६३

,, - कितने चौराहे -१९६६

,, -जुलूस-१९६५

,, - कलंक-मुक्ति (अपूर्ण)-१९७६

शिवसागर मिश्र - दूब जनम आई -१९६०

शिवप्रसाद मिश्र 'रुद्र' - बहती गंगा-१९५२

शैलेशमटियानी - हौलदार-१९६०

,, - कबूतरखाना- १९६०

,, - चिट्ठीरसैन -१९६१

,, - चौथी मुट्ठी -१९६२

,, - मुख सरोवर के राजहंस-१९६२

,, - छोटे छोटे पक्षी-१९७७

,, - किस्सा नर्मदाबेन गंगूबाई-

देवेन्द्र सत्यार्थी - रथ के पहिये -१९५३

,, - ब्रह्मपुत्र - १९५६

,, - कथा कहो उर्वशी -१९६१

राजेन्द्र अवस्थी - जंगल के फूल-१९६०

,, - न जाने कितनी आंखें-१९६६

,, - सूरज किरन की छांव-१९६१

राजेन्द्र अवस्थी- पाप से परे-१९६१

,, - बादलों के आरपार-१९६४

,, - बहता हुआ पानी-१९७१

,, - बीमार शहर -

डा० हजारीप्रसाद द्विवेदी - बाणभट्ट की आत्मकथा-१९४६

,, -चारु-चन्द्रलेख-१९६३

,, - पुनर्नवा-१९६५-६६

,, - अनामदास का पोथा-१९७६

राहुल सांकृत्यायन- सिंहसेनापति-१९४२

,, - जय यौधेय- १९४४

अनाम सुनील- सामन्त बौजगुप्त-१९५६

जैनेन्द्रकुमार- परख- १९२९

,, - सुनीता- १९३४

,, - त्यागपत्र-१९३७

,, -कल्याणी-१९३९

,, - सुखदा- १९५२

,, - विवर्त-१९५३

,, - व्यतीत- १९५३

,, - जयवर्द्धन-१९५६

,, - मुक्तिबोध- १९७४

,, - अनामस्वामी -१९७४

,, - अनन्तर-१९६८

सर्वेश्वरदयाल सक्सेना- सोया हुआ जल -१९५५

सूर्यकुमार जोशी - दिगम्बरी-१९५७

नरेश मेहता- डूबते मस्तूल-१९५४

,, - दो एकान्त-१९५५

,, - यह पथ बन्धु था-१९६२

,, - धूमकेतु: एक श्रुति-१९६२

,, - नदी यशस्वी है- १९६७

,, - प्रथम फाल्गुन- १९६८

गिरधर गोपाल-चांदनी के खण्डहर-१९५५

डा० रघुवंश- तन्तुजाल-१९५८

,, - अर्थहीन-१९६२

प्रभाकर माचवे -परन्तु-१९४१

,, - द्वाभा-१९५६

,, -साचा-१९५६

,, - एक तारा-१९६५

,, - जो- १९६४

,, - किशोर-१९७१

,, - दर्द के पैबन्द-१९७४

,, - किसलिए -१९७५

कृष्ण बलदेव वैद्य - उसका बचपन-१९५७

डा० राही मासूम रजा- आधा गांव-१९६६

,, - ओस की बूंद- १९७०

,, - दिल एक सादा कागज-१९७३

,, - हिम्मत जौनपुरी

,, - टोपी शुक्ला-

मोहन राकेश - अन्धेरे बन्द कमरे -१९६१

,, - न आनेवाला कल-१९६८

,, - अन्तराल- १९६८-- १९७२

कृष्णा सोबती - डार से बिछुड़ी -१९५५-५६

,, - मित्रो मरजानी - १९६७

,, - सूरजमुखी अन्धेरे के -१९७२

डा० रामदरश मिश्र -पानी के प्राचीर-१९६१

,, - जल टूटता हुआ - १९६९

,, - सूखता हुआ तालाब- १९७२

ब- ,, - बीच का समय-१९७१

,, - अपने लोग-१९७६

शानी - सांप और सीढ़ी-१९७१

,, - शाल वनों के द्वीप-१९६७

,, - काला जल- १९६५

निर्मल वर्मा- वे दिन- १९६४

,, - लाल टीन की छत- १९७४

जगदीशचन्द्र - धरती धन न अपना-१९७२

,, - कभी न छोड़ें खेत- १९७६

,, - एक मुट्ठी कांकर-

जगदम्बाप्रसाद दीक्षित- मुरदाघर-१९७४

,, - एक कटा हुआ आसमान-१९७१

उषा प्रियंवदा- पचपन खम्भे लाल दीवारें-१९६१

,, - रुकोगी नहीं राधिका?१९६७

रमेश बक्षी - हम तिनके-१९६३

,, - किस्से ऊपर किस्सा-१९६३

,, - एक घिसा हुआ चेहरा-१९६४

,, - अठारह सूरज के पौधे-१९६५

,, - बैसाखियोंवाली इमारत-१९६६

,, - चलता हुआ लावा-१९६८

कमलेश्वर- एक सड़क सत्तावन गलियां-१९६१

,, - लौटे हुए मुसाफिर-१९६३

,, -तीसरा आदमी -१९६४

,, - समुद्र में खोया हुआ आदमी-१९६५

,, - डाक बंगला- १९६८

,, - काली आंधी -

,, - आगामी अतीत- १९७६

श्रीलाल शुक्ल-सूनी घाटी का सूरज-१९५७

,, - अज्ञातवास- १९६१

,, - राग दरबारी - १९६८

,, - सीमाएं टूटती हैं-१९७३

,, - आदमी का ज़हर- १९७४

बदी उज़्ज़मां - एक चूहे की मौत-१९७१

,, - छाको की वापसी -१९७५

गिरिराज किशोर- लोग-१९६६

,, - यात्राएं-१९७१

गिरिराजकिशोर- जुगलबन्दी-१९७३

,, - दो- १९७४

,, - शहर दर शहर- १९७६

डा० शिवप्रसादसिंह- अलग अलग वैतरणी- १९६७

,, - गली आगे मुड़ती है-१९७४

भीष्म साहनी- झरोखे- १९६७

,, - कड़ियां-१९७०

,, - तमस-१९७३

रामकुमार भ्रमर- फौलाद का आदमी-

,, - कांचघर- १९७१

,, - कद की आवाजें -१९७१

,, - कच्ची पक्की दीवारें -

,, - तीसरा पत्थर-

राजकमल चौधरी - नदी बहती थी-१९६१

,, - शहर था शहर नहीं था-१९६६

,, - मछली मरी हुई- १९६६

,, - देहगाथा- १९६७

,, - बीस रानियों का बायस्कोप-

अमरकान्त- ग्रामसेविका-१९६२

,, - कटीली राह के फूल- १९६३

,, - पराई डाल का पंछी-१९६२

,, - चांदनी के बन्धन-१९६५

कृष्णचन्द्र शर्मा 'भिक्खु' - महाश्रमण सुनें उसकी परम्पराएं सुनें -१९६३

,, - अस्तगता- १९६६

,, - लाल ढांग- १९६८

,, - योगमाया- १९७२

रजनी पनीकर- काली लड़की -१९५८

,, - महानगर की मीता- १९६६

,, - दूरियां -

,, - बदलते रंग- १९७२

यादवेन्द्र शर्मा 'चन्द्र' - चुनर की पीड़ा- १९६६

,, - एक और मुख्यमंत्री-१९६६

गंगाप्रसाद विमल- अपने से अलग-१९६८

,, - मरीचिका-१९७३

,, - कहीं कुछ और- १९७२

मन्मथनाथ गुप्त- रंगमंच-१९६१

,, - प्रतिक्रिया-१९६१

,, - उलझन- १९६२

,, - घेरे के अन्दर- १९६३

,, - दिशाहीन- १९६४

,, - शहीद और शोहदे - १९७०

,, - षडयन्त्र- १९७१

,, - रात और दिन- १९७५

शिवानी - चौदह फेरे - १९६५

,, - कृष्णकली - १९६६

,, - विषकन्या- १९७१

,, -मायापुरी - १९७१

,, - श्मशानचम्पा- १९७२

,, - रतिविलाप- १९७४

,, - अपराधिनी -

विवेकीराय- बबूल- १९६७

,, - लोकऋण - १९७७

हिमांशु जोशी - बुरांस फूलते तो हैं-१९६५

,, - छाया मत छूना मन-१९७४

,, - महासागर- १९७२

,, - क्वार की आग- १९७६

,, - समय साक्षी है- १९७७

सुरेश सिनहा- तुमने मुझे पुकारा तो नहीं-१९६१

,, - एक और अजनबी-१९६३

,, - सुबह अन्धेरे पथ पर- १९६४

,, - पत्थरों का शहर-१९७२

मनहर चौहान- हिरना सांवरी- १९६२
,, - सीमाएं - १९६६
,, - आखिरी सफ़ा -
नरेन्द्र कोहली - आतंक- १९७२
,, - साथ सहा गया सुख- १९७४
,, -दीक्षा- १९७६
,, - अवसर- १९७६
,, - संघर्ष की ओर- १९७७
,, - जंगल की कहानी - १९७७
मेहरून्निसा परवेज़- आखों की दहलीज़- १९६९
,, - उसका घर- १९७२
,, - कोरजा- १९७७
अभिमन्यु अनत 'शबनम' -एक बीघा प्यार- १९७०
,, - और नदी बहती रही - १९७२
,, - तीसरे किनारे - १९७६
,, - तपती दुपहरी - १९७७
मृदुला गर्ग - उसके हिस्से की धूप -
,, - वंशज- १९७७
ममता कालिया- बेघर - १९७२
,, - नरक दर नरक - १९६६
शान्ति जोशी - मेरा मन बनवास दिया-सा : १९६६
,, - श्याम वर्णा - १९६८
,, - मछली और मरा जल-
मधुकर सिंह- सोनभद्र की राधा- १९७६
,, - सीताराम,नमस्कार- १९७७
निरूपमा सेवती - पतझड़ की आवाज़ें -१९७६
,, - बंटता हुआ आदमी - १९७७
,, - मेरा नरक अपना है - १९७७
महेन्द्र भल्ला - एक पति के नोट्स -
,, - दूसरी तरफ़ - १९७६

मणि मधुकर- सफेद मेमने - १९७१
मन्नू भण्डारी - आपका बण्टी - १९७१
शमशेर सिंह नरूला- एक पंखड़ी की तेज़ धार- १९६५
डा० भारतभूषण अग्रवाल- लौटती लहरों की बांसुरी - १९६४
गंगाप्रसाद मिश्र- जहर चांद का- १९७६
ओमप्रकाश श्रीवास्तव- लकीरें - १९५५
यादव-मन्नू- एक इंच मुस्कान- १९६३
दुष्यन्तकुमार- छोटे छोटे सवाल- १९६४
~~टूटती इकाइयां~~
शरद देवड़ा- टूटती इकाइयां - १९६४
मायानन्द मिश्र- माटी के लोग: सोने की नैया- १९६७
श्रीकान्त वर्मा - दूसरी बार- १९६८
सहलेखन- ग्यारह सपनों का देश- १९६०
ओमप्रकाश निर्मल- बहता पानी रमता जोगी - १९६६
ओमप्रकाश दीक्षित- कुछ जिन्दगियां बेमतलब - १९६८
महावीर अधिकारी - तलाश- १९६६
सुदर्शन मजीठिया- लोहे की लाशें - १९६६
केशवप्रसाद मिश्र - कोहबर की शर्त- १९६५
जगदीशचन्द्र पाण्डेय- गगास के तट पर- १९६८
मुहम्मद इसराइल अंसारी- अचला -१९७०
योगेन्द्रनाथ सिनहा- वन के मर्म- १९६२
रामचन्द्र तिवारी - सागर सरिता और अकाल- १९४६
विश्वम्भरनाथ उपाध्याय- रीछ- १९६७
,, - पक्षधर- १९७१
श्याम परमार- मोर झाल- १९६३
सच्चिदानंद 'धूमकेतु' - माटी की महक- १९६६
सुरेन्द्रपाल- लोकलाज खोई-१९६३
राघवेन्द्र मिश्र- पानी बीच मीन पियासी -१९६६
हरिशंकर परसाई - रानी नागफनी की कहानी-१९६१
ठाकुरप्रसाद सिंह- कुब्जा सुन्दरी -
काशीनाथ सिंह - अपना मोर्चा- १९७२

पदुमलाल पुन्नालाल बक्षी- कथा चक्र -
कान्ता सिन्हा- अतृप्ता- १९६२
वीरेन्द्रकुमार जैन- मुक्तिदूत-
डा० प्रतापनारायण टण्डन- पल दो पल- १९७१
,, - घण्टे - १९७५
मुक्तिबोध- विपात्र- १९७०
श्रीराम शर्मा 'राम' - मुझे मत रोको- १९६८
दिनेशनन्दिनी डालमिया- मुझे माफ करना- १९७४
राजीव सक्सेना- पणिपुत्रों सोमा- १९७२
भगवतस्वरूप चतुर्वेदी - हिरोशीमा की छायामें - १९५९
आनंदप्रकाश जैन- तीसरा नेत्र - १९५७
अयोध्याप्रसाद गोयलीय- गहरे पानी पैठ- १९५१
गोविन्द मिश्र- उतरती हुई धूप - १९७१
प्रदीप पन्त- एक असम्भव मृत्यु- १९७४
हृदयेश- एक कहानी अन्तहीन- १९७२
ओमानन्द सारस्वत- उलझी हुई गांठें- १९७२
श्रवणकुमार- प्रेत- १९७३
द्विजेन्द्रनाथ मिश्र 'निर्गुण' - ये गलियां ये रास्ते- १९७३
से० रा० यात्री - दराजों में बन्द दस्तावेज- १९६९
नरेन्द्रनाथ- नौ बरस- १९७५
भोलाशंकर व्यास- समुद्र संगम- १९७५
मार्कण्डेय- सेमल के फूल-
प्रमोद सिनहा- उसका शहर-
मालती पल्लवकर- इन्नी -
प्रकाशवती - अनामा- १९७१
सत्यप्रसाद पाण्डेय- चन्द्रबदनी - १९७१
रमेश उपाध्याय- स्वप्नजीवी- १९७१
अन्तगोपाल शेवड़े- कोरा कागज - १९७१
पद्मा त्रिवेदी - मिट्टी के देव- १९७१
शशिप्रभा शास्त्री - सीढ़ियां - १९७७
कृष्णा अग्निहोत्री - टपरेवाले- १९७६
महीपसिंह-
महीपसिंह- यह मौ नहीं - १९७६
सूर्यबाला सिंह- मेरे सन्धिपत्र- १९७६
मालती जोशी - पाषाणयुग- १९७६
गोपाल उपाध्याय- एक टुकड़ा इतिहास- १९७६
योगेश गुप्ता- उनका फैसला- १९७७
मोनाक्षी पुरी - जाने पहचाने अजनबी - १९७७
अशोक अग्रवाल- वायदा माफ गवाह- १९७७
प्रियदर्शी प्रकाश- मुक्तिप्रसंग- १९७७
अजय राय- मेरे बच्चे की कसम- १९७७
सुदर्शन चोपड़ा- अपनों पहचान- १९७७
जितेन्द्र भाटिया- समय सीमान्त- १९७७
मंजूर एहतेशाम- कुछ दिन और- १९७७
शीला राहेकर- दिनान्त- १९७७

परिशिष्ट - म : नोबेल-पारितोषिक विजेता उपन्यासकार

(१) हनरिक सीनकीविच (पोलैण्ड- १९०५)
(२) रुडयार्ड किपलिंग (ब्रिटेन- १९०७)
(३) गहार्ट हौप्ट मैन (जर्मनी, १९१२- उपन्यासकार व नाटक कार)
(४) रोम्या रोलां (फ्रान्स, १९१४)
(५) नट हैमसन (नार्वे, १९२०)
(६) अनातोले फ्रान्स (फ्रान्स, १९२१)
(७) व्लाडिस्ला स्तैनिस्ला रेमाण्ट (पोलैण्ड, १९२४)
(८) सीग्रित उण्डसेत (डेन्मार्क- लेखिका, १९२८)
(९) टामस मान (जर्मनी , १९२९)
(१०) सिंक्लेयर लैविस (अमरिका, १९३०)
(११) जान गाल्सवर्दी (ब्रिटेन, १९३२, उपन्यासकार व नाटक कार)
(१२) रोजे मार्ते दु गार (फ्रान्स, १९३७)
(१३) पर्ल बक (लेखिका, अमरिका, १९३८)
(१४) एमिल सिलांपा (फिनलैण्ड, १९३९)
(१५) जोहान्स जेन्सेन (डेन्मार्क , १९४४)
(१६) हरमन हेस (स्विट्जरलैण्ड , १९४६)
(१७) आन्द्रे जीद (फ्रान्स, १९४७)
(१८) विलयम फाकनर (मिसीसिपी, दक्षिण अमरिका, १९४९)
(१९) फ्रान्शुआ मारिआक (फ्रान्स, १९५२)
(२०) अर्नेसट हेमिंग्वे (अमरिका, १९५४)
(२१) हाल्डोर फिलजन लैक्सनेस (आइसलैण्ड , १९५५)
(२२) आल्बेयर कामू (फ्रान्स, १९५७)
(२३) बोरिस पास्तरनाक (रूस, १९५८)
(२४) जान स्टेइन बेक (अमरिका, १९६२)
(२५) ज्यां पाल सार्त्र (फ्रान्स, १९६४)
(२५) मिखाइल शोलोखोव (रूस, १९६५)
(२६) सोल्जेनित्सीन (रूस,)
(२७) कावाबावा यासुनारी (जापान,)
(२८) आइज़ाक सिंगर (यिद्दीश लेखक, १९७८)